महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का कैंसर अस्पताल के स्थापना दिवस समारोह में भाषण

स्थान :- भोपाल दिनांक :- 11 जनवरी, 2012 समय :- शाम 4.25 बजे

श्री कैलाश जोशी, सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री

श्री मदनमोहन जोशी वरिष्ठ पत्रकार

श्री माधुरीशरण अग्रवाल उपाध्यक्ष

डा. के. व्ही. पन्डया संचालक कैंसर अस्पताल, भोपाल

जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल के स्थापना दिवस के कार्यक्रम में उपस्थित होकर मुझे संतोष हुआ है। एक श्रेष्ठ काम को अपना कर्तव्य मानकर समर्पण भाव के साथ की गई है इस अस्पताल की स्थापना जो एक उदाहरण है। सार्थक जीवन वही होता है जो दूसरों के दुख- दर्द में काम आये। हमारे वरिष्ठ पत्रकार श्री मदनमोहन जोशी जी इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

कैंसर का प्रकोप दुनिया भर में बहुत तेजी से बढ़ रहा है। भारत में इसका प्रकोप और भी अधिक भयावह है जिसका कारण अज्ञानता के साथ ही आर्थिक एवं सामाजिक पिछड़ापन है। विशेषज्ञों ने यहां तक चेतावनी दी है कि यदि इस रोग के निदान की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई और संबंधित कारणों पर प्रहार नहीं किया गया, तो कहीं यह महामारी का रूप न ले ले। अतएव इस रोग के निदान के लिये बड़े पैमाने पर संगठित प्रयास किये जाने चाहिये। अज्ञानता दूर करने के लिये यह आवश्यक है कि इस रोग के कारणों एवं लक्षणों का अधिकाधिक प्रचार किया जाए ताकि लोग बुनियादी जानकारी प्राप्त कर सकें और इस दिशा में जागरूक हों। जागरूकता के लिये शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में नि:शुल्क कैंसर परीक्षण शिविर नियमित रूप से आयोजित किये जाने चाहिये ताकि प्रारंभिक अवस्था में ही रोग का पता लगाया जा सके।

मुझे यह जानकर काफी प्रसन्नता हुई है कि जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र ने अपनी स्थापना के समय से ही इसे समुचित महत्व प्रदान किया तथा पिछले कुछ वर्षों में इसे एक अभियान का रूप दे दिया है।

जागरूकता का अपनी जगह विशिष्ट महत्व है लेकिन समग्र और श्रेष्ठ उपचार की समुचित व्यवस्था होना अपरिहार्य है। आज से कुछ वर्ष पहले तक देश में टाटा मेमोरियल अस्पताल ही एक ऐसा अस्पताल था जहां देश भर के कैंसर मरीज पहुंचते थे। एक अकेला अस्पताल पूरे देश की आवयकता की पूर्ति नहीं कर सकता था। पिछले दो-तीन दशकों में अन्य बड़े शहरों में भी कैंसर अस्पतालों की स्थापना का सिलसिला शुरू हुआ।

ऐसी स्थिति में यह अत्यंत आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सक्षम व्यक्ति व संस्थान ऐसे अस्पतालों को ज्यादा से ज्यादा वित्तीय योगदान दें ताकि ऐसी संस्थाओं का सुचारू संचालन तथा निरंतर विकास और उन्नयन भी होता रहे। ऐसी संस्थाएं केन्द्र एवं राज्य सरकारों से भी सहायता की हकदार हैं।

मुझे बताया गया है कि मुंह के कैंसर में भोपाल दुनिया में सबसे ज्यादा आगे है। मेरा सुझाव है कि यह संस्था इस के कारणों पर शोध करे। वैसे आम धारणा यह है कि मुख्यत: तंबाकू एवं तंबाकू युक्त पदार्थों जैसे गुटका, पान मसाला आदि के सेवन से मुख का कैंसर होता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस व्यसन ने सारे देश में समाज में सभी स्तरों पर खतरनाक रूप ले रखा है। इसके खिलाफ सशक्त अभियान छेड़ना होगा। जब माता-पिता स्वयं तंबाकू एवं तंबाकूयुक्त पदार्थों का सेवन करेंगे तो बच्चों में तो यह लत पहुंचना स्वाभाविक है। ऐसे में प्राथमिक शिक्षा के माध्यम से व्यसनों के दुष्परिणामों के बारे में बताया जाए।

मुझे इस बात का काफी संतोष है कि इस अस्पताल की ओर से शहर में पृथक से एक विशेष केन्द्र स्थापित किया जा रहा है। इसमें असाध्य अवस्था के कैंसर रोगियों की विशेष देखभाल की जाएगी। इसके लिये इस अस्पताल को अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता है। राज्य शासन को इस दिशा में मदद के लिये आगे आना चाहिये। जन सहभागिता इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है क्योंकि मानवीय सेवा और परोपकार से बड़ा और कोई कार्य नहीं है।

कैंसर अस्पताल की स्थापना तकनीकी और वित्तीय दोनों ही दृष्टियों से बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य है। ऐसी स्थिति में जब वरिष्ठ पत्रकार श्री मदनमोहन जोशी ने इस दिशा में सशक्त पहल की तो उन्हें शासन, चिकित्सा जगत एवं प्रबुद्ध नागरिकों का काफी उत्साहवपूर्वक सहयोग प्राप्त हुआ। यह सचमुच एक तरह का पहला उदाहरण है जब मानवीय परोपकार की भावना से समाज सेवा के क्षेत्र में इतना बड़ा कार्य कर दिखाया गया जो आमतौर पर असंभव माना जाता है। इस प्रकार इससे यह साबित होता है कि किसी भी कार्य क्षेत्र का व्यक्ति चाहें तो समाज सेवा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दे सकता है, जरूरत है तो मानवीय संवेदनाओं और उन्हें मूर्त रूप देने के जज्बे की। मानव सेवा के इस सशक्त उदाहरण के लिए आपको बहुत- बहुत बधाई और साधुवाद।

जय हिन्द।